पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(एक महारत्न कंपनी)

श्री वी. पकरीसामी

श्री वी. पकरीसामी जनवरी 1997 से पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) से जुड़े हुए हैं और उनके पास 33 वर्षों से अधिक का समृद्ध एवं विविध पेशेवर अनुभव है। इन्होंने सास्त्रा विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से मैनेजमेंट सिस्टम्स में एम.टेक. की डिग्री प्राप्त की है।

पीएफसी में इन्होंने कार्यपालक निदेशक – एंटिटी अप्रेजल एवं आईटी के रूप में सेवाएं प्रदान की हैं। ये उड़ीसा इंटीग्रेटेड पावर लिमिटेड, कोस्टल तमिल नाडु पावर लिमिटेड, बिहार मेगा पावर लिमिटेड तथा तेलंगाना नॉर्थ डिस्कॉम के निदेशक मंडलों में नामिती निदेशक भी रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त, ये पावर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष भी हैं, जो एक स्वायत्त सोसाइटी के रूप में कार्य करती है तथा विद्युत क्षेत्र में नीतिगत वकालत और सुधारों को बढ़ावा देने वाली एक सक्रिय एजेंसी है।

अपने कार्यकाल के दौरान, श्री पकरीसामी ने अनेक क्षेत्रों में कार्य किया है, जिनमें क्रेडिट अप्रेजल, विद्युत संस्थाओं की रेटिंग, विद्युत क्षेत्र में सुधार एवं पुनर्गठन, तथा ऋणकर्ताओं के वित्तीय विश्लेषण शामिल हैं। इन्होंने परिचालन एवं वित्तीय कार्य योजनाओं (ओएफएपी) के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा विद्युत क्षेत्र के वित्तीय एवं वाणिज्यिक पहलुओं से संबंधित विभिन्न परामर्शी परियोजनाओं में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है।

इनके योगदान पीएफसी के संस्थागत फ्रेमवर्क को सुदृढ़ बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं, इन्होंने संगठन के कार्यों के विस्तार तथा मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क को मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाई है, जिससे पीएफसी के ऋण पोर्टफोलियो के विकास और दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान में उल्लेखनीय सहायता मिली है। ये ऋण नीतियों के निर्माण, वित्तीय विश्लेषण प्रणालियों के विकास, ऋणकर्ता रेटिंग तंत्र की स्थापना तथा विनियामक एवं सांविधिक अपेक्षाओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। इसके अतिरिक्त, इन्होंने पीएफसी के आईटी परिवर्तन का नेतृत्व किया है, जिससे संगठन की समग्र आईटी क्षमता और तकनीकी दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पीएफसी में जॉइनिंग से पूर्व, श्री पकरीसामी नवंबर 1991 से दिसंबर 1996 तक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) तथा मोडीलफ्ट में कार्यरत थे, जहां इन्होंने विमानों की उड़ान-योग्यता, गुणवत्ता नियंत्रण, तथा निवारक रखरखाव से संबंधित कार्यों का निर्वहन किया। इन्होंने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत पाइराइट्स फॉस्फेटस एंड कैमिकल्स लिमिटेड, बिहार में एक अभियंता के रूप में की थी।